वाय. एस. अंजुमन खैरुल इस्लामस्
पूना कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साईन्स व् कॉमर्स, पुणे
व
तपस्वी पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट, येवती संचलित
व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय, धाराशिव (उस्मानाबाद)
के संयुक्त तत्वावधान में प्रेमचंद जयन्ती के उपलक्ष्य में आयोजित
दि. ३१ जुलाई २०२२
राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी
"प्रेमचंद : जीवन परिचय एवं साहित्य"

प्रतिवेदन

प्रेमचंद : जीवन परिचय एवं साहित्य

प्रेमचंद जयन्ती पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन (३१ जुलाई २०२२)

वाय. एस. अंजुमन खैरुल इस्लामस् पूना कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साईन्स व् कॉमर्स, पुणे व तपस्वी पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट, येवती संचलित व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय, धाराशिव (उस्मानाबाद) के संयुक्त तत्वावधान में प्रेमचंद जयन्ती के उपलक्ष्य में दि. ३१ जुलाई २०२२ राष्ट्रीय वेबिनार **"प्रेमचंद : जीवन परिचय एवं साहित्य "** आयोजित किया गया। प्राचार्य डॉ. आफताब अनवर शेख के मार्गदर्शन में आयोजित इस वेबिनार की प्रस्तावना तथा सूत्र संचालन सब लेफ्टनेंट डॉ. मो. शाकिर शेख ने की। अतिथियों का परिचय डॉ. विनोदकुमार वायचळ ने किया।

डॉ. ममता जैन जी (सायप्रस में पत्रकार, सम्प्रति पुणे निवासी) ने कहा कि प्रेमचंद जी के साहित्य में सच्चे भारतीय व्यक्तित्व की झलक दिखाई देती है। उन्होने अपने संघर्षमय जीवन को हृदय में संजोया और उसकी अभिव्यक्ति साहित्य के माध्यम से की इसीलिए उनका साहित्य बेहद संवेदनशील और मार्मिक बन पड़ा है। प्रेमचंद के पात्रों में संघर्षशील व्यक्तित्व दिखाई देता है। परिस्थिति का डटकर मुकाबला करना उन्हें आता है। किसी भी पात्र ने परिस्थिति के सामने घुटने नहीं टेके और न ही आत्महत्या की। जीवनसंघर्ष का मूलमंत्र प्रेमचंद साहित्य में मिलता है।

डॉ. सुफिया यास्मिन जी (हिंदी विभाग, विद्यासागर महिला महाविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल) ने उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि प्रेमचंद साहित्य में मानवीय मूल्य की सीख मिलती है। उन्होने अपने संघर्षमय जीवन को हृदय में सँजोया और उसकी अभिव्यक्ति साहित्य के माध्यम से की इसीलिए उनका साहित्य बेहद संवेदनशील और मार्मिक बन पड़ा है। भी प्रासंगिक है. उनके साहित्य को हम आज भी नहीं भूल पाये। आज़ादी की लड़ाई में किए कार्यों को हमें याद रखना चाहिए । उनके विचारों को पढ़कर उन्हें अपनाना चाहिए। प्रेमचंद के कथा साहित्य और प्रेमचंद की पत्नी शिवरानी देवी लिखित जीवनी ' प्रेमचंद : घर में ' के आधार पर मूल्यांकन किया।

इस वेबिनार की अध्यक्षता व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रशांत चौधरी जी किया। उन्होंने हिंदी साहित्य तथा स्वाधीनता संग्राम में प्रेमचंद जी के अवदान को अधोरेखित किया।

इस अवसर पर डॉ. शहाबुद्दीन शेख, डॉ. माधुरी नगरकर, डॉ. राकेश पानसे, डॉ. शशिकांत सोनवणे, प्रा. महेबूब, प्रा. उज्वला पिंगले, नाजिश बेग, प्रा. इम्तियाज आगा. डॉ. मनियार सलिम, कौसर जहाँ, डॉ. प्रिया भावना गुप्ता, डॉ. एन. डी. शेख, डॉ. जयश्री, क्षमा सराफ़, अन्य प्राध्यापक एवं छात्र बड़ी संख्या में ऑनलाइन उपस्थित थे। डॉ. बाबा शेख ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितों का ऋण निर्देश व्यक्त किया। डॉ. इमरान बेग मिर्ज़ा और प्रा. फारुख शेख ने तकनीकी सहकार्य किया। इस वेबिनार में सम्पूर्ण भारतवर्ष से ४५७ हिंदी प्रेमी ज़ूम मीटिंग और यू-ट्यूब के माध्यम से सम्मिलित हुए।

प्रेमचंद : जीवन परिचय एवं साहित्य

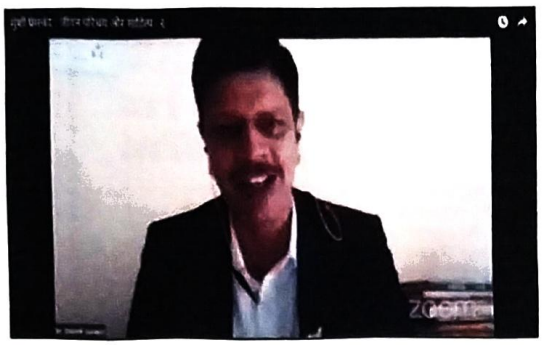

सूत्र संचालन एवं प्रस्तावना करते हुए

डॉ. मोहम्मद शाकिर शेख जी

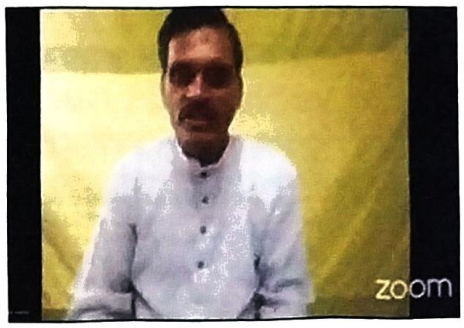

अतिथियों का परिचय कराते हुए

डॉ. विनोदकुमार विलासराव वायचळ जी

वक्तव्य रखते हुए मुख्य वक्ता

डॉ. ममता जैन जी

वक्तव्य रखते हुए अतिथि वक्ता

डॉ. सुफिया यास्मिन जी

अध्यक्षीय समापन करते हुए

प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रशांत गुणवंत चौधरी जी

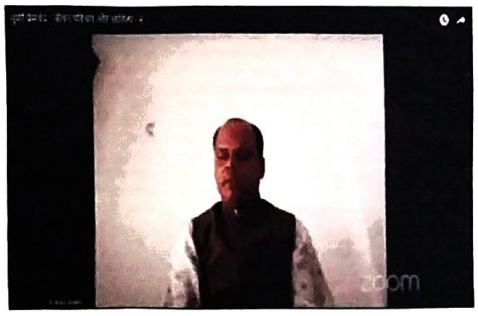

कृतज्ञता ज्ञापन करते हुए

डॉ. बाबा शेख जी

मराठवाडा नेता

महाजन महाविद्यालयात प्रेमचंद यांच्या जयंतीनिमित्त एक दिवसीय ऑनलाईन वेबिनार उत्साहात संपन्न

उस्मानाबाद / प्रतिनिधी

येथील व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय व वाय.एम.अंजुमन खैरूल इस्लाम्स पूना महाविद्यालय यांच्या संयुक्त विद्यमाने एक दिवसीय ऑनलाईन वेबिनार चे आयोजन केले होते. हिंदी साहित्यातील महान साहित्यिक प्रेमचंद यांच्या १४३ साव्या जयंतीनिमित्त या वेबिनारचे आयोजन महाविद्यालयातील हिंदी विभागाच्या वतीने करण्यात आले होते.

या वेबिनार मध्ये युरोप मधील सायप्रस येथील साहित्यिक डॉ.ममता जैन यांनी प्रेमचंद यांच्या साहित्याचे महत्व त्यांच्या कथा व कादंबरींच्या उदाहरणांसह स्पष्ट केले. विद्यासागर महाविद्यालय कोलकाता येथील डॉ. सुफिया यास्मिन यांनी प्रेमचंद यांच्या पारिवारिक व सामाजिक जीवनातील प्रसंगांद्वारे महत्व स्पष्ट केले.

व्यंकटेश महाजन महाविद्यालयाचे प्राचार्य व वेबिनारचे अध्यक्ष प्रा.डॉ. प्रशांत चौधरी यांनी आपले मनोगत यावेळी व्यक्त केले. प्रा.डॉ.मोहम्मद शाकीर शेख यांनी मान्यवरांचा परिचय व प्रास्ताविक केले. या वेबिनार मध्ये ६५० हून अधिक जन सहभागी झाले होते. या वेबिनारचे यू-ट्यूब वर थेट प्रक्षेपण करण्यात आले.

या वेबिनारचे सूत्रसंचालन डॉ. विनोदकुमार वायचळ यांनी केले तर डॉ. बाबा शेख यांनी आभार मानले.

Main Edition
6 Aug, 2022 Page No. 6
Powered by : erelego.com

कातिब की इशाअत का ... साल
दैनिक
कातिब
KATIB

प्रेमचंद साहित्य में जीवनसंघर्ष का मूलमंत्र में मिलता है - डॉ.ममता जैन

प्रेमचंद जी के साहित्य में सच्चे भारतीय व्यक्तित्व की झलक दिखाई देती है। उन्होंने अपने संघर्षमय जीवन को हृदय में संजोया और उसकी अभिव्यक्ति साहित्य के माध्यम से की इसीलिए उनका साहित्य बेहद संवेदनशील और मार्मिक बन पड़ा है। प्रेमचंद के पात्रों में संघर्षशील व्यक्तित्व दिखाई देता है। परिस्थिति का डटकर मुकाबला करना उन्हें आता है। किसी भी पात्र ने परिस्थिति के सामने घुटने नहीं टेके और न ही आत्महत्या की। जीवनसंघर्ष का मूलमंत्र प्रेमचंद साहित्य में मिलता है। ऐसा वक्तव्य डॉ.ममता जैन, पुणे इन्होंने राष्ट्रीय वेबिनार में किया।

पूना कॉलेज में हिंदी विभाग एवं व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय उस्मानाबाद के संयुक्त तत्वावधान में मुंशी प्रेमचंद जयंती के उपलक्ष्य में वेबिनार संपन्न हुआ। प्राचार्य डॉ आफताब अनवर शेख के मार्गदर्शन में आयोजित इस वेबिनार की प्रस्तावना तथा सूत्र संचालन सब लेफ्टनेंट डॉ मो. शाकिर शेख ने की। अतिथियों का परिचय डॉ विनोदकुमार वायचल ने किया।

डॉ सूफिया यास्मीन (कोलकाता) ने अपने वक्तव्य में कहा कि प्रेमचंद साहित्य में मानवीय मूल्य की सीख मिलती है। उन्होंने अपने संघर्षमय जीवन को हृदय में संजोया और उसकी अभिव्यक्ति साहित्य के माध्यम से की इसीलिए उनका साहित्य बेहद संवेदनशील और मार्मिक बन पड़ा है।

प्राचार्य प्रो डॉ प्रशांत चौधरी ने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि प्रेमचंद का साहित्य आज भी प्रासंगिक है, उनके साहित्य को हम आज भी नहीं भूल पाये। आजादी की लड़ाई में किए कार्य को हमें याद रखना चाहिए। उनके विचारों को पढ़कर उन्हें अपनाना चाहिए। इस अवसर पर डॉ शहाबुद्दीन शेख, डॉ माधुरी नागरकर, डॉ राकेश पासम, डॉ शशिकांत सोनवणे, प्रा महेबूब, प्रा उज्वला शिंगटे, नाजिश बेग, प्रा इम्तियाज आगा, डॉ सबिया सलिम, कौसर जहाँ, डॉ प्रिया ए., भावना गुप्ता, डॉ एन डी शेख, डॉ जयश्री, क्षमा साफ, अन्य प्राध्यापक एवं छात्र बड़ी संख्या में ऑनलाइन उपस्थित थे। डॉ बाबा शेख ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितों का ऋण निर्देश व्यक्त किया। डॉ इमरान बेग मिर्ज़ा और प्रा फारुख शेख ने तकनीकी सहकार्य किया।

डॉ आफताब अनवर शेख

हिन्दी दैनिक

भारत डायरी

पुणे शुक्रवार 5 अगस्त 2022

प्रेमचंद साहित्य में मानवीय मूल्य की सीख मिलती है – डॉ.सूफिया यास्मीन

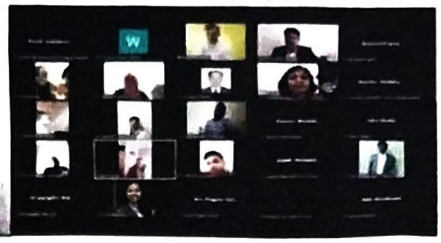

कोलकाता : प्रेमचंद साहित्य में मानवीय मूल्य की सीख मिलती है। उन्होंने अपने संघर्षमय जीवन को हृदय में संजोया और उसकी अभिव्यक्ति साहित्य के माध्यम से की इसीलिए उनका साहित्य बेहद संवेदनशील और मार्मिक बन पड़ा है। ऐसा वक्तव्य डॉ सूफिया यास्मीन (कोलकाता) ने राष्ट्रीय वेबिनार में किया। पूना कॉलेज हिंदी विभाग एवं व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय उस्मानाबाद के संयुक्त तत्वावधान में मुंशी प्रेमचंद जयंती के उपलक्ष्य में वेबिनार संपन्न हुआ। प्राचार्य डॉ आफताब अनवर शेख के मार्गदर्शन में आयोजित इस वेबिनार की प्रस्तावना तथा सूत्र संचालन सब लेफ्टनेंट डॉ. मो. शाकिर शेख ने की। अतिथियों का परिचय डॉ बिनोदकुमार वायचल ने किया।

डॉ ममता जैन, पुणे ने इस अवसर पर कहा कि प्रेमचंद जी के साहित्य में सच्चे भारतीय व्यक्तित्व की झलक दिखाई देती है। उन्होंने अपने संघर्षमय जीवन को हृदय में संजोया और उसकी अभिव्यक्ति साहित्य के माध्यम से की इसीलिए उनका साहित्य बेहद संवेदनशील और मार्मिक बन पड़ा है। प्रेमचंद के पात्रों में संघर्षशील व्यक्तित्व दिखाई देता है। परिस्थिति का डटकर मुकाबला करना उन्हें आता है। किसी भी पात्र ने परिस्थिति के सामने घुटने नहीं टेके और न ही आत्महत्या की। जीवनसंघर्ष का मूलमंत्र प्रेमचंद साहित्य में मिलता है।

प्राचार्य प्रो डॉ प्रशांत चौधरी ने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि प्रेमचंद का साहित्य आज भी प्रासंगिक है, उनके साहित्य को हम आज भी नहीं भूल पाये। आज़ादी की लड़ाई में किए कार्य को हमें याद रखना चाहिए। उनके विचारों को पढ़कर उन्हें अपनाना चाहिए।

इस अवसर पर डॉ शहाबुद्दीन शेख, डॉ माधुरी नगरकर, डॉ. राकेश पानसे, डॉ. शशिकांत सोनवणे, प्रा महबूब, प्रा उज्वला पिंगले, नाज़िश बेग, प्रा इम्तियाज़ आगा, डॉ मनियार सलीम, कौसर जहाँ, डॉ प्रिया ए, भावना गुप्ता, डॉ एन डी शेख, डॉ जयश्री, क्षमा सराफ, अन्य प्राध्यापक एवं छात्र बड़ी संख्या में ऑनलाइन उपस्थित थे। डॉ बाबा शेख ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितों का ऋण निर्देश व्यक्त किया। डॉ इमरान बेग मिर्ज़ा और प्रा फारूख शेख ने तकनीकी सहकार्य किया।

आज का आनंद पुणे शहर शनिवार, 6 अगस्त 202

प्रेमचंद के साहित्य में मानवीय मूल्य की सीख : डॉ. यास्मीन

पूना कॉलेज में आयोजित वेबिनार में कोलकाता की प्रसिद्ध साहित्यकार ने कहा

पुणे, 5 अगस्त (आ.प्र.)

प्रेमचंद साहित्य में मानवीय मूल्य की सीख मिलती है. उन्होंने अपने संघर्षमय जीवन को हृदय में संजोया और उसकी अभिव्यक्ति साहित्य के माध्यम से की इसीलिए उनका साहित्य बेहद संवेदनशील और मार्मिक बन पड़ा है. यह विचार डॉ. सूफिया यास्मीन ने पूना कॉलेज में आयोजित वेबिनार में व्यक्त किए. पूना कॉलेज हिंदी विभाग एवं व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय उस्मानाबाद के संयुक्त तत्वावधान में मुंशी प्रेमचंद जयंती के अवसर पर वेबिनार का आयोजन किया गया था.

प्राचार्य डॉ. आफताब अनवर शेख के मार्गदर्शन में आयोजित इस वेबिनार की प्रस्तावना और सूत्र संचालन सब लेफ्टिनेंट डॉ. मो.शाकिर शेख ने किया तथा अतिथियों का परिचय विनोदकुमार वायचल ने दिया.

पुणे की डॉ. ममता जैन ने कहा कि प्रेमचंद के साहित्य में सच्चे भारतीय व्यक्तित्व की झलक दिखाई देती है. उन्होंने अपने संघर्षमय जीवन को हृदय में संजोया और उसकी अभिव्यक्ति साहित्य के माध्यम से की इसीलिए उनका साहित्य बेहद संवेदनशील और मार्मिक बन पड़ा है.

प्रेमचंद के पात्रों में संघर्षशील व्यक्तित्व दिखाई देता है. परिस्थिति का डटकर मुकाबला करना उन्हें आता है. किसी भी पात्र ने परिस्थिति के सामने घुटने नहीं टेके और न ही आत्महत्या की. कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रशांत चौधरी ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य आज भी प्रासंगिक है. उनके साहित्य को आज भी नहीं भूल पाए हैं.

इस अवसर पर डॉ. शहाबुद्दीन शेख, डॉ. माधुरी नगरकर, डॉ. राकेश पानसे, डॉ. शशिकांत सोनवणे, प्रा. मेहबूब, प्रा. उज्वला पिंगले, नाज़िश बेग, प्रा. इम्तियाज़ आगा, डॉ. मनियार सलीम, कौसरजहां, डॉ.प्रिया ए, भावना गुप्ता, डॉ. एन.डी.शेख, डॉ. जयश्री, क्षमा सराफ़ तथा अन्य प्राध्यापक और विद्यार्थी बड़ी संख्या में ऑनलाइन उपस्थित थे. कार्यक्रम के अंत में आभार डॉ. बाबा शेख ने आभार व्यक्त किया तथा डॉ. इमरान बेग और प्रा.फारुख शेख ने तकनीकी सहयोग किया.

अध्यक्ष, हिंदी विभाग
व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय
उस्मानाबाद

प्राचार्य
व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय
उस्मानाबाद ४१३५०१